अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति (एसएलएसएससी) की बैठक

प्रदेश में जल जीवन मिशन में 2178 परियोजनाएं मंजूर
9765 गांवों में 21 लाख 55 हजार 941 घरों को मिलेगा नल से जल कनैक्शन

जयपुर, 26 मार्च। जलदाय विभाग की जल जीवन मिशन (जेजेएम) अन्तर्गत राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति (एसएलएसएससी) की बैठक अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जेजेएम के तहत 2178 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई। इससे प्रदेश के 9 हजार 765 गांवों में 21 लाख 55 हजार 941 घरों को नल से जल कनैक्शन दिए जाएंगे। जलदाय विभाग में गत करीब डेढ माह में आयोजित एसएलएसएससी की यह चौथी बैठक थी। इसमें भारत सरकार में जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के अलावा राज्य में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सम्बंधित अधिकारी शामिल हुए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री पंत ने बताया कि बैठक में प्रदेश के 3765 गांवों के लिए क्षेत्रीय परियोजनाओं सहित 2133 सिंगल विलेज एवं स्माल मल्टी विलेज स्कीम को मंजूरी दी गई , इनसे 8 लाख 38 हजार 249 घरों में नल से कनैक्शन दिए जाएंगे। मेजर प्रोजेक्ट्स के तहत 6 हजार गांवों के लिए 45 मल्टी विलेज स्कीम्स स्वीकृत की गई, इनसे 13 लाख 17 हजार 692 घरों में नल से कनैक्शन होंगे।

सिंगल विलेज एवं स्माल मल्टी विलेज स्कीम्स

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि बैठक में सिंगल विलेज स्कीम्स के तहत अजमेर जिले में 236 योजनाएं (86 हजार 125 घरों में नल से कनैक्शन) , अलवर में 157 (59 हजार 464 नल कनैक्शन), बांसवाड़ा में 22 (14 हजार 778 नल कनैक्शन) , बारां में 12 (4 हजार 552 नल कनैक्शन), बाड़मेर में 58 (14 हजार 41 नल कनैक्शन) , भरतपुर में 131 (50 हजार 282 नल कनैक्शन), बीकानेर में 53 (21 हजार 376 नल कनैक्शन), बूंदी में 14 (5 हजार 342 नल कनैक्शन), चितौड़गढ़ में 22 (8 हजार 611 नल कनैक्शन) , दौसा में 79 (27 हजार 981 नल कनैक्शन), धौलपुर में 28 (7 हजार 644 नल कनैक्शन) , डूंगरपुर में 24 (15 हजार 979 नल कनैक्शन), श्रीगंगानगर में 180 (71 हजार 46 नल कनैक्शन), हनुमानगढ़ में 144 (63 हजार 842 नल कनैक्शन) तथा जयपुर में 171 योजनाओं (65 हजार 22 घरों में नल से जल कनैक्शन) को मंजूरी दी गई।

इसी प्रकार जैसलमेर में 4 योजनाओं (2 हजार 593 घरों में नल से कनैक्शन) , झालावाड़ में 44 (12 हजार 693 नल कनैक्शन), झुंझुनू में 50 (20 हजार 776 नल कनैक्शन), जोधपुर में 23 (9 हजार 213 नल कनैक्शन), करौली में 136 (55 हजार 740 नल कनैक्शन), कोटा में 7 (5 हजार 829 नल कनैक्शन), नागौर में 28 (10 हजार 887 नल कनैक्शन), पाली में 61 (26 हजार 110 नल कनैक्शन), प्रतापगढ़ में 15 (15 हजार 629 नल कनैक्शन), सवाईमाधोपुर में 118 (34 हजार 868 नल कनैक्शन), सीकर में 111 (34 हजार 644 नल कनैक्शन), सिरोही में 47 (18 हजार 359 नल कनैक्शन), टोंक में 15 (8 हजार 801 नल कनैक्शन) तथा उदयपुर में 103 योजनाओं (53 हजार 649 घरों में नल से जल कनैक्शन) को मंजूरी दी गई है।

मेजर प्रोजेक्ट्स के तहत स्वीकृत मल्टी विलेज स्कीम्स

श्री पंत ने बताया कि एसएलएसएससी में मेजर प्रोजेक्ट्स के तहत स्वीकृत की गई मल्टी विलेज स्कीम्स में नागौर जिले में मेड़ता , डेगाना, रिया, और भैंरुंदा के 181 गांवों में 142 ढाणियों की योजना (44716 घरों में नल कनैक्शन) , कुचामन और नावा के 113 गांव और 254 ढाणियों की योजना (21390 नल कनैक्शन), मूंडवा, डेगाना, मेड़ता और खींवसर के 153 गांवों व 240 ढाणियों की योजना (77316 नल कनैक्शन) तथा नागौर, खींवसर, मूंडवा के 181 गांवों की योजना (59023 नल कनैक्शन) स्वीकृत की गई। इसी प्रकार अजमेर में पीसांगन के 112 गांव और 140 ढाणियों की योजना (37653 नल कनेक्शन), ब्यावर-जवाजा प्रोजेक्ट के 160 गांवों एवं ढ़ाणियों की योजना (23325 नल कनैक्शन) तथा केकड़ी-सरवर के 189 गांव और ढ़ाणियों की योजना (40747 नल कनैक्शन), झालावाड़ में रेवा प्रोजेक्ट की योजना (10182 नल कनैक्शन) , भीमनी की योजना (6295 नल कनैक्शन), झालरापाटन एवं राजगढ़ के 104 गांवों की योजना (14318 नल कनैक्शन) व राजगढ़ प्रोजेक्ट की योजना (14352 नल कनैक्शन), बारां में नागदा-अंता प्रोजेक्ट की योजना (8752 नल कनैक्शन) एवं अटरू-शेरगढ़ प्रोजेक्ट की योजना (5188 नल कनेक्शन), बंूदी जिले में चम्बल-बूंदी प्रोजेक्ट की योजना (6077 नल कनैक्शन) व इंद्रगढ़ प्रोजेक्ट की योजना (7086 नल कनैक्शन) तथा बांसवाड़ा जिले में बांसवाड़ा , बागीदौरा और तलवाड़ा के 87 गांवों और ढ़ाणियों की योजना (36576 नल कनैक्शन), बांसवाड़ा और छोटी सरवाड़ तथा प्रतापगढ़ के पीपलखूंट में 344 गांव और 116 ढ़ाणियों की योजना (74516 नल कनैक्शन) को स्वीकृति दी गई।

इसी प्रकार जालौर जिले में नर्मदा नहर आधारित पेयजल आपूर्ति योजना के लिए बागोड़ा , जसवंतपुरा, भीनमाल, रानीवाड़ा, सायला, सरनाऊ, चितलवाना, जालौर और सांचौर के 306 गांवों में 103061 नल कनैक्शन एवं सांचौर व चितलवाना के 26 गांवों में 9183 नल कनैक्शन, पाली जिले में रोहट के 71 गांवों में 19075 नल कनैक्शन, कोटा में बोरावास-मंडाना प्रोजेक्ट में 51 गांवों में 12248 नल कनैक्शन, जोधपुर में तिंवरी , मथानियां, ओसियां, बावड़ी एवं भोपालगढ़ के 136 गांवों

में 53017 नल कनैक्शन, माणकलाव-खांगटा में 50 गांव और अन्य ढ़ाणियों में 16140 नल कनैक्शन, मलाड-जोड-हिंडलगोल के 10 गांवों में 2017 नल कनैक्शन, बावड़ीकलां-खरा-जलोदा के 80 गांवों में 13121 नल कनैक्शन, गैटोर-कानासर-बाप के 55 गांवों में 8465 नल कनैक्शन व भेर-हरलया-लक्ष्मण नगर-द्वितीय के 87 गांवों में 36122 नल कनैक्शन, बाड़मेर जिले में बाड़मेर लिफ्ट वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट फेज-द्वितीय पार्ट-सी में 350 गांवों में 59434 नल कनैक्शन, बाड़मेर लिफ्ट वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट फेज-द्वितीय पार्ट-बी में 99 गांवों में 16644 नल कनैक्शन, सेऊ-रामसर प्रोजेक्ट में 260 गांवों में 37105 नल कनैक्शन, बाड़मेर लिफ्ट वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट फेज-द्वितीय पार्ट-ए में 183 गांवों में 32202 नल कनैक्शन, पोकरण-फलसूंड-बालोतरा-सिवाना पेयजल आपूर्ति योजना में पैकेज 4ए में 181 गांवों में 30778 नल कनैक्शन, जैसलमेर जिले के लिए बाड़मेर लिफ्ट वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट फेज द्वितीय पार्ट-डी में 196 गांवों में 32841 नल कनैक्शन, पोकरण-फलसूंड-बालोतरा-सिवाना पेयजल आपूर्ति योजना के पैकेज 3बी में 87 गांवों में 11986 नल कनैक्शन एवं पोकरण-फलसूंड-बालोतरा-सिवाना पेयजल आपूर्ति योजना के पैकेज 3 में 126 गांवों में 21990 नल कनैक्शन तथा जयपुर जिले में बस्सी-बीसलपुर पेयजल आपूर्ति योजना के तहत बांसखो आईपीएस के 37 गांवों में 4744 नल कनैक्शन देने की परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई।